केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (कक्षा बारहवीं)

परीक्षार्थी प्रवेश–पत्र के अनुसार भरें

Subject : HINDI · (302) · CORE

Day & Date of the Examination : MONDAY , 18-3-2013

Medium of answering the paper : HINDI

Write Code No. as written on the top of the Question paper : 2/3

No. of supplementary answer-book(s) used : NIL

If physically challenged, tick the category

B	D	H	S	C

B= Blind, D=Deaf & Dumb, H=Physically Handicapped, S=Spastic, C=Dyslexic

हां / नहीं

Whether writer provided : Yes / No — No

*एक खाने में एक अक्षर लिखें। नाम के प्रत्येक भाग के बीच एक खाना रिक्त छोड़ दें। यदि परीक्षार्थी का नाम 24 अक्षरों से अधिक है, तो केवल नाम के प्रथम 24 अक्षर ही लिखें।

Each letter be written in one box and one box be left blank between each part of the name. In case Candidate's Name exceeds 24 letters, write first 24 letters.

Space for office use

StudentBounty.com

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (कक्षा बारहवीं)
SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION (CLASS XII)

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, DELHI

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने/हमने इस उत्तर-पुस्तिका का मूल्यांकन प्रश्न पत्र के समुचित से
अनुसार और पूर्ण रू
स मूल्यांकन पद्धति के अनुसार किया है।

Certified that I/We have evaluated this answer book according to the correct set of qu
paper and strictly as per the marking scheme.

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

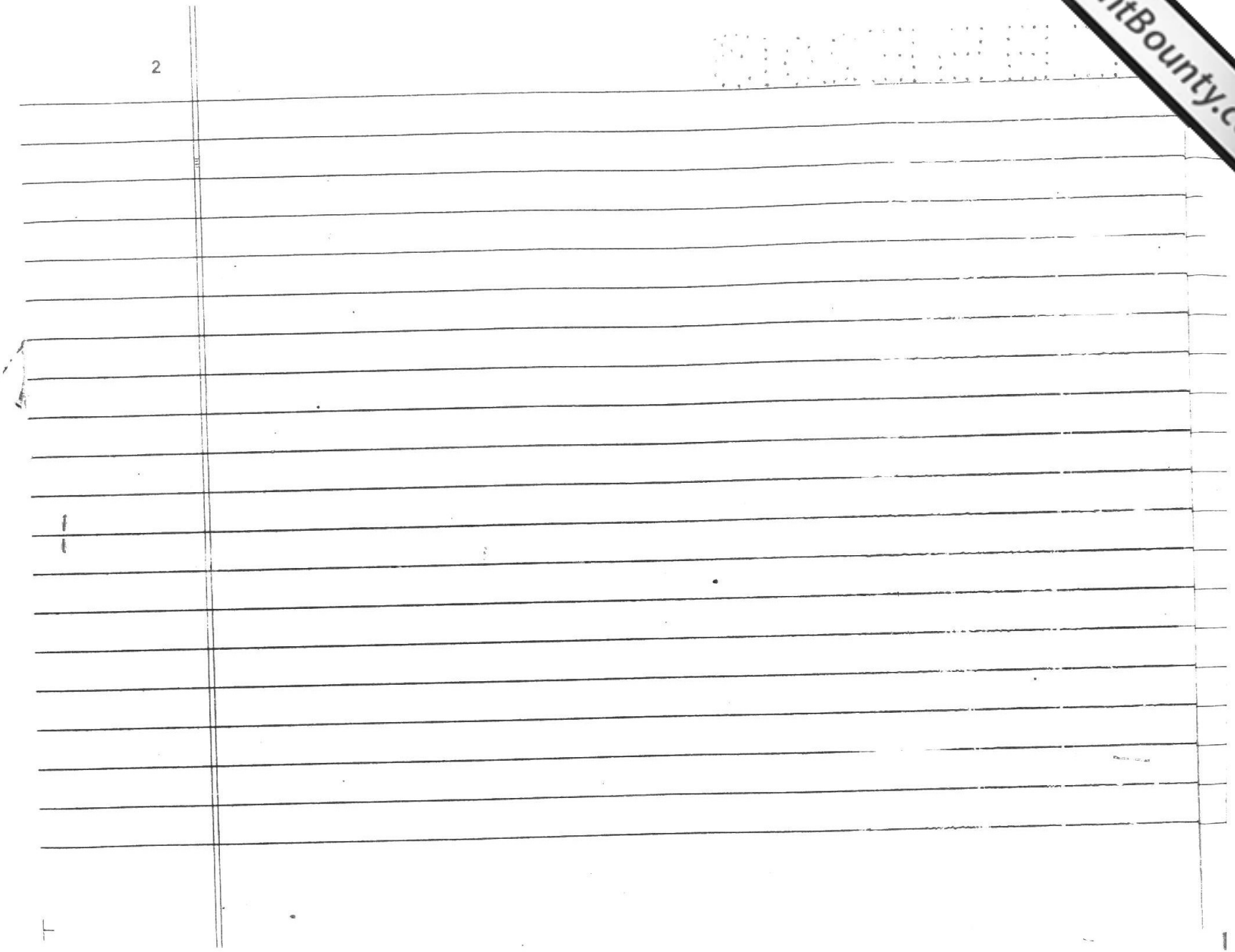

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

खण्ड - ग

7. (क) काव्यांश में तुलसीदास जी ने अपने समाज के विषय में यह जानकारी दी है कि उस समय अपने पेट की अग्नि को बुझाने हेतु लोग नाना प्रकार के कार्य करते थे। यहाँ तक की जब कोई अन्य रास्ता नहीं होता था तो वे अपने बेटे - बेटी को तक बेच देते थे। कोई चाकरी करता था, कोई शिकार, कोई व्यापार, तो कोई मजदूरी करता था।

(ख) कवि कहते हैं कि पेट की इस भयावह अग्नि को शान्त करने हेतु कोई पढ़ता था, कोई पढ़ाता था, विभिन्न वस्तुएँ बनाता था एवं लोग पहाड़ों पर तक चढ़ने को तैयार रहते थे। इन विभिन्न कार्यों को करके व्यक्ति धन कमाना चाहता था ताकि वह भूख से न तड़पे।

(ग) पेट की आग की विशालता और भयावहता

StudentBounty.com
www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

को प्रकट करने के लिए कवि ने उसकी तुलना जंगल में लगी आग से की है। तुलसीदास जी कहते हैं कि दावानल को तो भी बुझाया जा सकता है परन्तु पेट की आग तो उससे भी भयानक है।

(घ) पेट की आग को बुझाने का एकमात्र साधन कवि ने राम घनश्याम को माना है। तुलसीदासजी का यह मानना है कि यदि हम रामजी का स्मरण करेंगे तो वे हमें सद्बुद्धि देंगे तथा हमारे जीवन को नई दिशा व दशा प्रदान करेंगे जिससे हम अपने पेट की अग्नि को शान्त कर पाएँगे।

अथवा

8. (क) यहाँ पर 'गरीबी' के लिए 'गरबीली' विशेषण का उपयोग किया गया है। कवि गरीबी में भी गर्व एवं स्वाभिमान का अनुभव करता है। वह गरीबी में रहकर

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

जो कुछ भी अर्जित करता है, वह पूर्ण ईमानदारी एवं लगन से उसे प्राप्त होता है। अतः उसे इसी गरीबी में भी गर्व का अनुभव होता है।

(ख) (i) विचार-वैभव (अनुप्रास एवं रूपक अलंकार
(ii) गरबीली गरीबी (अनुप्रास अलंकार)
(iii) पल-पल (अनुप्रास एवं पुनुरुक्ति प्रकाश अलंकार).

(ग) यहाँ (विचार-वैभव) में रूपक अलंकार का सुन्दर प्रयोग दिखाई पड़ता है। विचार-वैभव अर्थात विचार रूपी वैभव। कवि कहता है कि उसके प्रिय व्यक्ति के विषय में उसके मन में जो भी विचार हैं वे धन के रूप में उसके हृदय में वास करते हैं। रूपक अलंकार द्वारा काव्य के सौन्दर्य में अनोखी छटा दिखाई देती है।

StudentBounty.com
www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

9. (ख) यह बिल्कुल उचित कहा गया है कि पेट के लिए आज भी बेटा-बेटी बेचे जाते हैं। भले ही हमने कितना भी विकास क्यों न कर लिया हो, यह स्थिति अब तक नहीं बदली।

प्रचीन समय में जब मनुष्य को कठिन प्रयास करने के बाद भी भूख से तड़पना पड़ता था तो उसके पास अन्य कोई रास्ता नहीं रह जाता था और वह विवश होकर अपनी संतान को बेच देता था।

वर्तमान समय में भी बहुत से लोग ऐसे हैं जिनकी आर्थिक स्थिति दयनीय है। उन्हें हर स्थान पर निराशा का सामना करना पड़ता है। अतः जब तक सभी लोग गरीबों की सहायता हेतु तत्पर नहीं होंगे तब तक यह स्थिति नहीं बदलेगी।

(ग) कविता 'बादल राग' में 'सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला' जी ने किसान की पुकार हम तक पहुंचाई है।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

जब किसान सभी ओर से निराश होकर कमजोर पड़ जाता है तो वह बादलों का आह्वान करता है। वह जानता है कि कोई क्रांति ही निम्न वर्ग को इन पूँजीपतियों से बचा सकती है।

मिट्टी में दिये अंकुर बादलों की राह देख रहे हैं, वे जानते हैं कि जब भी कोई क्रान्ति आती है तो निम्न वर्ग को ही लाभ होता है। उन्हें शोषण से मुक्ति मिलती है। वहीं दूसरी ओर ऊँची-ऊँची इमारतों में बसे पूँजीपती अपना मुँह ढककर सो रहे हैं, वे इन क्रांतियों से डरते हैं क्योंकि इनसे उनका सर्वनाश निश्चित है।

10. (क) रात्रि की निस्तब्धता का कारण यह है कि चारों ओर अंधकार एवं सन्नाटा पड़ा है। साथ ही गाँव के लोग मलेरिया और हैजा से पीड़ित हैं। वे दर्द से कराह रहे हैं। सियारों का क्रंदन और पेचक की आवाज़ भी बड़ी

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

भयानक है।

(ख) बच्चों की 'माँ- माँ' की पुकार से रात्रि की निस्तब्धता में कोई विशेष बाधा इसलिए नहीं पड़ती है क्योंकि ये बच्चे बीमारी से पीड़ित हैं। अतः इनकी आवाज बड़ी ही धीमी सुर में है तथा यह बच्चों के दर्द, उनकी पीड़ा को व्यक्त करती है। यह हल्की सी आवाज़ रात्रि की निस्तब्धता को नष्ट नहीं कर पाती।

(ग) कुत्तों में परिस्थिति को तोड़ने की एक विशेष बुद्धि होती है। पाठ में यह स्पष्ट रूप से दिख रहा है। शायद कुत्ते भी लोगों की पीड़ा को समझ रहे थे, इसलिए वे सात दिन में राख पर सोते थे और रात में शेते थे मानो उन्हें भी लोगों का दुख देखकर पीड़ा हो रही हो।

StudentBounty.com

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(घ) रात्रि की भीषणता को ललकारने का काम करती थी पहलवान की ढोलक। वह तेज़ ध्वनि में बजकर बीमारी से पीड़ित लोगों को उस से लड़ने की शक्ति प्रदान करती थी। साथ ही यह आवाज़ उन्हें इतनी हिम्मत देती थी कि अपनी आखरी साँस लेते हुए उन्हें डर न लगे।

11. (क) भक्तिन का अतीत परिवार एवं समाज की कई समस्याओं से जूझते हुए बीता :-

जब भक्तिन बहुत छोटी थी, तभी उसकी माँ की मृत्यु हो गई और उसकी विमाता ने बहुत छोटी उम्र में ही उसका विवाह करा दिया।

विवाह के बाद भक्तिन ने जब दो कन्याओं के संस्करण और डाले तो उसे अपनी सास एवं जेठानियों के ताने सुनने पड़े। उसे घर का सारा कार्य करना पड़ता था तथा उसकी बेटियों को चने की घुघरी चबाने को मिलती थी।

StudentBounty.com
www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

अन्त में वह अपने परिवार से अलग हो गई और कड़ी मेहनत करके पति-पत्नी ने अपनी बड़ी बेटी का विवाह कर दिया परन्तु कुछ दिन बाद ही उसके पति की मृत्यु हो गई।

वह इस दुःख को सँभाल पाती उससे पहले ही उसका बड़ा दामाद भी चल बसा। पारिवारिक द्वेष के कारण लगान चुकाना भी मुश्किल हो गया। अतः भक्तिन का जीवन संघर्ष से भरपूर था।

(ख) 'बाज़ार दर्शन' जैनेन्द्र कुमार जी द्वारा रचित एक ऐसी रचना कहानी है जो उपभोक्तावाद एवं बाज़ारवाद की अन्तर्वस्तु को समझाने में बेजोड़ है।

यहाँ बताया गया है कि बाज़ार का जादू सभी मनुष्यों को अपनी ओर आकर्षित करता है। परन्तु यदि व्यक्ति का मन भरा हो तो यह जादू

StudentBounty.com

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

नहीं चल पाया।

चाहे हम कितना भी सामान क्यों न ले लें बाज़ार को सार्थकता वही लोग प्रदान करते हैं जो केवल आवश्यकता की वस्तु लेते हैं।

अगतजी के उदाहरण द्वारा लेखक ने ऐसे व्यक्ति के विषय में बताया है जो बाज़ार को सार्थकता प्रदान करता है, उन पर कोई जादू नहीं चलता।

(घ) शिरीष, अवधूत एवं ~~हज़ारीप~~ गाँधीजी को हज़ारीप्रसाद द्विवेदी जी ने एक समान बताया है। उनका मानना है कि जिस प्रकार शिरीष कालजयी अवधूत है उसी प्रकार गाँधीजी भी सबसे भिन्न है। वे बहुत ही सरल एवं सरस व्यक्ति थे।

शिरीष की भाँति वे भी कठिन एवं कठोर परिस्थितियों में बने रहना जानते थे। वे हर स्थिति में फूलों के समान

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

खिले रहते थे। उन्होंने यही अपनाकर हमारे देश को आज़ादी दिलाई।

जिस प्रकार शिरीष में एक मस्ती सी है उसी प्रकार गाँधी जी भी सांसारिक बातों की परवाह न करके अपना कार्य पूर्ण निष्ठा से सम्पन्न करते थे।

अंत में लेखक अपना दुख प्रकट करते हैं कि आज वे अवधूत हमारे साथ नहीं हैं।

(ङ) आदर्श समाज की स्थापना के विषय में मैं डा० अम्बेडकर जी के विचारों से पूर्ण रूप से सहमत हूँ। आदर्श समाज वह होना चाहिए जिसमें समता एवं भ्रातृता है।

संसार में सभी ~~म~~ मनुष्य समान नहीं होते परन्तु उनके शारीरिक वंश, उनकी शिक्षा, जन्म, कुल इत्यादि के आधार पर सभी को समान मानना

StudentBounty.com
www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

चाहिए।

यदि अंत करना चाहिए तो बस मनुष्यों के अपने प्रयासों के आधार पर। सभी मनुष्यों में भाईचारे की भावना होनी चाहिए। सभी एक दूसरे से प्रेम करें। तभी एक आदर्श समाज का निर्माण सम्भव हो सकेगा।

12. (क) 'सिलवर वैडिंग' कहानी में आधुनिक युग में बदलते कई जीवन मूल्यों को दर्शाया गया है।

आज मनुष्य अपनी सभ्यता छोड़कर पाश्चात्य सभ्यता को अपनाने लगा उदाहरणतया जीन्स शर्ट पहनना इत्यादि। लोग अपने बड़े-बुजुर्गों का सम्मान करना भूल रहे हैं। पीढ़ियों का अन्तराल निरन्तर बढ़ता चला जा रहा है। बच्चे अपने माँ-बाप से अलग होते जा रहे हैं। वे उनसे सुझाव लेना नहीं चाहते, उनके अनुभवों का कोई सम्मान भी

StudentBounty.com

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

नहीं करते। आधुनिकता हमारे संस्कारों पर हावी होती दिखाई दे रही है।

मेरे अनुसार यह उचित नहीं है। हम चाहे कितने भी विकसित क्यों न हो जाएँ हमारे संस्कार हमारी विरासत हैं। हमें सदैव अपने माँ-बाप का सम्मान करना चाहिए तथा उन्हें जीवन में सर्वोच्च स्थान देना चाहिए।

(ख) यशोधर बाबू ने शादी के शुरुआती दिनों में अपनी सभी इच्छाओं को पारिवारिक दबाव के कारण मार दिया। परन्तु अब वे आधुनिक बनना चाहती हैं। वे अपने पत्नी-धर्म को छोड़कर बच्चों का साथ देती हैं। पति से सुझाव लेना, परामर्श करना सभ्य त्याग चुकी है। अपने रिश्तेदारों से सम्बन्ध रखना, उनकी सहायता करना भी अच्छा नहीं लगता।

वे अपने बच्चों द्वारा जिए जा रहे

StudentBounty.com

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

जीवन को स्वीकार कर चुकी है। वे समय के साथ बदल जाने में विश्वास रखती हैं।

13. 'जूझ' का कथानायक किशोर छात्रों के लिए एक आदर्श प्रेरणास्रोत है। उसके विषय में पढ़कर तथा उसके संघर्षों को जानकर छात्रों को भी मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी।

जिस प्रकार लेखक ने पाठशाला जाने के लिए अनेक प्रयास किए, फिर खेती के साथ-साथ पढ़ाई करने की हिम्मत दिखाई और कक्षा में अच्छा विद्यार्थी बना वह अवश्य ही प्रशंसनीय है।

उसका उदाहरण लेकर किशोर छात्रों को भी अपने जीवन में आने वाली कठिनाइयों का डटकर सामना करना चाहिए तथा निरन्तर अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहना चाहिए।

StudentBounty.com
www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(ख) 'डायरी के पन्ने' के आधार पर ऐन को पीटर का धर्म से नफरत करना बिल्कुल पसन्द नहीं है। साथ ही उसे उसका खीने के विषय में बातें करना अच्छा नहीं लगता। ऐन अपने जीवन की हर बात उससे बाँटती है परन्तु वह उसे अपने मन की वो बात कभी नहीं बताता। ऐन को लगता है कि वह घुन्ना लड़का है।

डायरी के पन्ने

'ऐन फ्रेंक' ने अपनी डायरी में नारी के योगदान के विषय कई विचार प्रस्तुत किए हैं। उनका यह मानना है कि प्राचीन समय में पुरूष ने अपना शारीरिक बल दिखाकर नारी को दबा लिया होगा। और तब से नारी को मात्र बच्चों को जन्म देने हेतु माना जाता है। वह अपना सभी आकर्षण

StudentBounty.com

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

रखो देती है। यदि युद्ध भूमि में पुरुषों को दर्द का सामना करना पड़ता है तो उससे कई ज्यादा पीड़ा स्त्री को बच्चे को जन्म देते समय सहनी पड़ती है।

उस समय स्त्रियों की स्थिति को लेकर एन उदासीन थीं। वे चाहती थीं कि जल्द से जल्द यह स्थिति बदल जाए।

आज स्त्रियों की स्थित में आश्चर्यजनक सुधार आया है। वे भी पुरुषों की बराबरी हर क्षेत्र में कर रहीं हैं। नारी की जिस स्थिति की कल्पना एन ने अपनी डायरी में की थी आशा है वह जल्द ही पूरी होगी।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(3) खण्ड - ख

लड़का - लड़की एक समान

रूपरेखा

* प्रस्तावना
* प्राचीन समय में लड़कियों की स्थिति
* वर्तमान समय की बदलती तस्वीर
* नर - नारी - विकास की गाड़ी के पहिए
* उपसंहार

* प्रस्तावना

कई वर्षों से नारियाँ निरन्तर यह प्रयास कर रहीं हैं कि वे समाज में अपने लिए एक सम्मानजनक स्थान बना पाएँ। उन्होंने प्राचीनकाल से अनेक कष्ट सहे हैं। चाहे घर हो, या समाज सबके ताने सुनती

StudentBounty.com
www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

आई है। परन्तु अब वे इन सब अपमानों के सामना करने में सक्षम हैं। धीरे-धीरे भारत का आदर्श समाज का सपना सच होता दिखाई दे रहा है।

* प्राचीन काल में लड़कियों की स्थिति

भारत में स्त्री ने अनेकों अत्याचार सहे हैं - चाहे ~~कन्~~ कन्या भ्रूण हत्या हो, चाहे सती-प्रथा चाहे बाल-विवाह। प्राचीन काल में ~~लड़~~ लड़कियों को बोझ समझा जाता था। उन्हें घर की चार-दीवारी में ही बन्द रहना पड़ता था। उनके साथ जानवरों से भी बदतर व्यवहार किया जाता था। लड़के के जन्म लेने पर खुशियाँ मनाई जाती थी तो वहीं लड़की हुई तो मातम सा छा जाता था।

'नारी ~~अब~~ अबला नहीं, सबला है।'

* वर्तमान समय की बदलती तस्वीर

परन्तु आज की तस्वीर कुछ हट के है।

StudentBounty.com

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

आज बहुत से लोगों ने खुशी से लड़कियों को स्वीकार करना आरम्भ कर दिया है। लड़कियों ने भी यह साबित कर दिया है कि यदि उन्हें उचित अवसर प्रदान किए जाएँ तो वे लड़कों से भी आगे निकलकर दिखा देंगी। उनमें अपने जीवन में कुछ बनने का जुनून है। कल्पना चावला जी, सुनीता विलियम्स जी, इंदिरा गाँधी जी आदि अनेक ऐसे अगणित उदाहरण हैं जिन्होंने नारी जाति का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया।

* नर- नारी - विकास की गाड़ी के पहिए

कोई भी देश हो - वह विकास के चर्मोत्कर्ष पर तभी पहुंच सकता है जब नर - नारी दोनों मिलकर अपना कार्य पूर्ण निष्ठा से करें और देश के विकास में अपना योगदान दें।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

सभी लोगों को यह समझना चाहिए कि नर-नारी दोनों विकास रूपी गाड़ी के दो पहिए हैं यदि एक भी पहिया न हो तो यह गाड़ी आगे नहीं बढ़ सकती।

'सबको शिक्षा, सबको ज्ञान
तभी बनेगा, देश महान'।

* उपसंहार

अतः भारत के उज्जवल भविष्य के निर्माण हेतु लड़का-लड़की को बराबर का स्थान प्राप्त होना चाहिए। दोनों को बराबर अवसर मिलने चाहिए ताकि वे पूरी मेहनत और लगन से अपनी प्रतिभा दुनिया को दिखा सकें।

'लड़का लड़की, एक समान
मिलकर करो नारी का भी सम्मान।'

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

22
अथवा

4. प्रति
सचिव
चिकित्सा विभाग
पालमनगर
दिनांक- 18 मार्च 2013
विषयः चिकित्सकों के अभाव से रोगियों को असुविधा

महोदय!

हमारे नगर के चिकित्सालय में पिछले महीने तक पाँच चिकित्सक कार्य करते थे। इससे सभी मरीज़ों को इलाज सही रूप से हो जाता थी था तथा किसी को भी परेशानी नहीं होती थी।

परन्तु मुझे बड़े खेद के साथ आपको यह सूचित करना पड़ रहा है कि अब यहाँ पर पाँच चिकित्सकों के स्थान पर मात्र एक ही चिकित्सक है। अतः लोगों का समय पर इलाज भी नहीं हो पाता है। इससे सभी रोगियों को बहुत असुविधा हो रही है।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

पूरे अस्पताल में लोगों के कराहने की आवाज़ सुनाई देती रहती है परन्तु उन्हें देखने कोई चिकित्सक समय पर नहीं आता।

अतः आप जल्द से जल्द इस विषय पर ध्यान दे और अस्पताल में नए चिकित्सक नियुक्त करें। इसके लिए मैं आपका अत्यंत आभारी रहूँगा।

भवदीय
क.ख.ग.
जीनाजोल
पालमपुर
दिनांक - 18 मार्च 2013.

StudentBounty.com
www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

5. (क) (i) मुद्रित माध्यम वे छपे हुए शब्दों का माध्यम है इसलिए इसमें स्थायित्व होता है तथा हम इसे प्रमाण के रूप में प्रयोग करने के लिए सुरक्षित रख भी सकते हैं।

(ii) सनसनी खेज या ब्लैकमेल करने हेतु बनाई गई रिपोर्ट या पत्रकारिता पीत पत्रकारिता कहलाती है।

(iii) किसी भी विशिष्ट विषय पर श्रृंखलाबद्ध किया गया लेखन स्तंभ लेखन कहलाता है।

(iv) उल्टा पिरामिड शैली में सबसे पहले सबसे महत्त्वपूर्ण बात, फिर कम महत्त्वपूर्ण, फिर सबसे कम महत्त्वपूर्ण बात

- इन्ट्रो
- बॉडी
- क्लाइमैक्स

समाचार पत्रों में इस शैली का प्रयोग होता है।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

(v) जो पत्रकार ~~वेतन~~ भुगतान के आधार पर किसी भी समाचार संगठन के लिए कार्य करते हैं वे फ्री लांसर या स्वतन्त्र पत्रकार कहलाते हैं।

(ख)

लड़कियों की घटती जनसंख्या

भारत! एक ऐसा देश जहाँ पर लड़कियों को देवी का अवतार माना जाता है। वहीं दूसरी ओर इन्हीं लड़कियों के साथ क्रूर व्यवहार किया जाता है और इस दुनिया में आने से पूर्व ही इनके प्राण ले लिए जाते हैं। अजीब विडंबना है!

कन्या भ्रूण हत्या एक ऐसा महापाप है जिसके कारण लड़कियों की जनसंख्या निरन्तर कम होती जा रही है। ~~मम्मी~~ गर्भ में ही मासूम बच्चियों के प्राण ले लिए जाते हैं। बड़े दुःख का विषय है कि इतने विकास के बाद भी

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

कुछ क्षेत्रों में यह महापाप खुले आम किया जा रहा है। पता नहीं क्यों हम यह भूल जाते हैं कि स्त्री ही इस सृष्टि की निर्माता है। यदि वो न हो तो न कोई पुरुष हो, न ही जीवन।

सरकार द्वारा कैसे विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं जिनसे लोग ~~व~~ लड़कियों को समान अवसर प्रदान करें। उदाहरणतया किसी भी प्रवेश परीक्षा में लड़कियों में को आरक्षण दिया जाता है। ५०% सीटें लोकसभा स्त्रियों के लिए हैं।

ये अनेक प्रयास तभी सार्थक हो सकेंगे जब प्रत्येक मनुष्य लड़कियों का ईश्वर का अभिशाप नहीं वरदान मानेगा और उनके जन्म पर भी घरों में रोशनी होगी।

StudentBounty.com

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

6.

प्रशासन में बढ़ता भ्रष्टाचार

भ्रष्टाचार आज एक ऐसा ज्वलंत विषय बन गया है जिससे देश का प्रत्येक नागरिक भली भाँति परिचित है। लोगों के द्वारा किया जाने वाला भ्रष्ट आचरण धीरे धीरे अब सब के सामने आ रहा है।

हाल ही में हमारे देश में बाबा रामदेव जी एवं अन्ना हज़ारे जी द्वारा भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए पुरज़ोर प्रयास किए गए कई अनशन हुए, नाकेबाज़ी हुई, इन सब ने भ्रष्टाचार जैसे विषय के ओर की ओर आम जनता का ध्यान आकर्षित कर लिया है।

यह भ्रष्टाचार का ही तो परिणाम है कि हमारे देश गरीब निरन्तर गरीब होता जा रहा है और अमीरों के खज़ाने भरते जा रहे हैं। पैसों के बिना तो जैसे कोई काम ही नहीं होता और आश्चर्य की बात तो यह है कि

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

लोग यह महापाप करने में भी गर्व का अनुभव करते हैं। उनमें तनिक भी शर्म नहीं है।

यह भ्रष्टाचार हमारे प्रशासन में निरन्तर बढ़ता जा रहा है और अब यह दीमक की तरह हमारे देश को घोंघला किए जा रहा है।

अतः यह अत्यन्त आवश्यक कि हम इस जड़ से मिटा दें। ऐसा तभी हो सकता जब प्रत्येक मनुष्य यह दृढ़ संकल्प ले कि वह न तो भ्रष्टाचार करेगा और न ही किसी भी रूप में उसका समर्थन करेगा।

StudentBounty.com

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

खण्ड : क

1. (i) 'नवीन भारत' से तात्पर्य है 'नया भारत' जो आज़ादी के बाद निर्मित हुआ है। इस भारत का निर्माण करने के लिए हमारे वीर क्रांतिकारियों ने अनेक प्रयास किए हैं। उन्होंने इस भारत को अपने खून से सींचा है।

(ii) वह पंक्ति है :- जितना कठिन खड्ग था करमें, उतना ही अंतर कोमल।
जिनमें नर का तेज प्रखर था, भीतर था नारी का मन.

(iii) वे पूर्वज बाहर से तो कठोर दिखते थे पर भीतर से कोमल थे, उनकी ललकार पर तीनो लोक थर-थर काँपते थे, उनकी तलवारों पर स्वर्ग भी नाचता था अतः वे बहुत ही बलवान एवं साहसी ~~थी~~ थे।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(iv) 'वीरप्रसू माँ' ~~धरती माँ~~ हमारी भारत माता को कहा गया है क्योंकि इस भारत माँ ने ही अनेक वीरों को जन्म दिया है।

(v) काव्यांश में भारतीय वीरों की देशभक्ति को दर्शाया गया है। वे अपने पूर्वजों से प्रेरणा लेते हैं तथा वे हर हाल में अपने प्राणों की चिन्ता किए बिना अपने देश की रक्षा करने को तैयार हैं।

2. (क) वैज्ञानिक प्रगति से पूर्व और बाद के मनोरंजन के स्वरूप में अत्यधिक अंतर आया है। पहले मनोरंजन का उद्देश्य मात्र मनोरंजन होता था और यह प्रक्रिया धार्मिक एवं सामाजिक भावों से संलग्न थी। किन्तु आज इसका महत्त्वपूर्ण उद्देश्य अर्थप्राप्ति हो गया है।

StudentBounty.com

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(ख) पहले का मनोरंजन धार्मिक एवं सामाजिक भाव से संलग्न था। ऐसा मनोरंजन व्यक्तित्व के गठन एवं स्वस्थ दृष्टिकोण के उन्नयन में सहायक होता था किन्तु आज यह केवल अर्थप्राप्ति का स्त्रोत हो गया है। यही उसके स्वरूप बदलने का मुख्य कारण है।

(~~घ~~ग) आधुनिक मनोरंजन हमारे व्यक्तित्व के गठन पर कुठाराघात करता है, आदर्शों को झुठलाता है, अस्वस्थ अभिरुचि एवं दृष्टिकोण को प्रोत्साहन देता है और जीवन के सब्जबाग दिखाता है और लोगों, समाज को भ्रमित करता है।

(घ) आधुनिक मनोरंजन अभद्र सिनेमा, नृत्यशालाएँ, फैशन परेड, नाइट क्लबें इत्यादि को बढ़ावा ही दे रहा है। अतः यह हमें पश्चिमी सभ्यता की ओर आकर्षित करके जीवन को प्रभावित कर रहा है, भ्रमित कर रहा है।

StudentBounty.com
www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(ङ) अभद्र सिनेमा, नाइट क्लब, नृत्यशालाएं, फैशन परेड को पश्चिमी सभ्यता का अनुसरण कहा है क्योंकि ये हमें अपने संस्कार, रीति रिवाज तथा जीवन पद्धति से दूर कर रहीं हैं। यह मात्र एक अंधी नकल है।

(च) मनोरंजन के नाम पर अपने संस्कारों से दूर जाना और पश्चिमी सभ्यता को अपनना मनोरंजन के नाम पर भौंडापन कहा गया है। यह विघटन का स्त्रोत है, विकारों का जनक है एवं क्षयमस्त जीवन का पर्याय है।

(छ) आधुनिक मनोरंजन या भौंडापन

(ज) मूलशब्द - उद्योग, प्रत्यय - इक

(झ) आधुनिक परिवेश में मनोरंजन का उपलब्ध रूप हमारे व्यक्तित्व के गठन पर कुठाराघात करता

StudentBounty.com
www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers